PRINCE SCHOOL

Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class VI to XII (Science,Arts & Commerce)

Model Paper – I : 2025-26
Class – XII

Time: 3:15 Hours **Subject – HINDI LIT.** **M.M. : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः–

- परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
- सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
- जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर अंग्रेजी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
- प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड – अ

प्र.1 निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर– पुस्तिका में लिखिए। **12×1=12**

i. सुभागी जगधर को किसका दूसरा अवतार समझती थी? 1

(अ) नायकराम का (ब) भैरों का (स) बजरंगी का (द) सूरदास का

ii. खेतों में पानी देने के लिए बनाई जाने वाली छोटी नालियों को 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में क्या कहाँ गया है? 1

(अ) सेवार (ब) गोंजर (स) बरहा (द) बोका

iii. 'अपना मालवा– खाऊ– उजाडू सभ्यता में' स्तंभ किस अखबार से लिया गया है? 1

(अ) दैनिक जागरण (ब) जनसत्ता (स) पंजाब केसरी (द) द हिन्दु

iv. 'अरूण यह मधुमय देश हमारा'। इस पंक्ति में 'मधुमय देश' किसे कहा गया है? 1

(अ) जापान (ब) नेपाल (स) भारत (द) पाकिस्तान

v. 'दिशा' कविता का विषय है– 1

(अ) प्रकृति चित्रण (ब) बाल मनोविज्ञान (स) मानवीय संवदेना (द) दिशाओं का ज्ञान

vi. निम्न में कौनसा कहानी संग्रह 'फणीश्वरनाथ रेणु' का नहीं है? 1

(अ) ठुमरी (ब) भाग्य रेख (स) अगिनखोर (द) आदिम रात्रि की महक

vii. 'प्रेमधन की छाया स्मृति' पाठ में 'प्रेमधन' किस कवि का उपनाम है? 1

(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) रामनरेश त्रिपाठी (स) बदरीनारायण चौधरी (द) रघुवीर सहाय

viii. गुलेरी जी की कौनसी कहानी उनका पर्याय ही बन चुकीं हैं? 1

(अ) सुखमय जीवन (ब) बुद्धू का काँटा (स) उसने कहा था (द) चन्द्रकान्ता

ix. नाटक के प्रत्येक अंक की कम से कम कितनी अवधि होनी चाहिए? 1

(अ) 47 मिनट (ब) 46 मिनट (स) 48 मिनट (द) 45 मिनट

x. कहानी को रोचक बनाने के लिए कौनसा तत्व आवश्यक है? 1

(अ) चरित्र– चित्रण (ब) द्वंद्व (स) संवाद (द) परिवेश

xi. निश्चित मानदेय पर कार्य करने वाले पत्रकार कौन से पत्रकार कहलाते है? 1

(अ) पूर्णकालिक पत्रकार (ब) अंशकालिक पत्रकार (स) स्वतंत्र पत्रकार (द) उपरोक्त सभी

xii. समाचार की शुरूआत में कौनसे दो ककार होने चाहिए? 1

(अ) कब और कैसे (ब) क्या और कब (स) क्या और कौन (द) क्या और कैसे

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **6×1=6**

i. कोमल एवं मधुर वर्णो से युक्त रचना में ..... गुण होता है। 1

ii. 'मारूत नन्दन मारुत को, मन खगराज को वेग लजायो'– इस पंक्ति में ..... दोष है। 1

iii. रोल व उल्लाला छंद के योग से ..... छंद बनता है। 1

iv. वंशस्थ छंद के प्रत्येक चरण में ..... वर्ण होते है। 1

v. जब काव्य में उपमान का तिरस्कार या अपमान किया जाये वहाँ ..... अलंकार होता है। 1

vi. जब काव्य में अप्रस्तुत का वर्णन कर प्रस्तुत का बोध कराया जाता है, वहाँ ..... अलंकार होता है। 1

प्र.3 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **6×1=6**

(i) 'ओज गुण' को परिभाषित कीजिए?

(ii) वर्णिक छंद किसे कहते है?

(iii) नाटक में सबटेक्स्ट क्या है?

(iv) कहानी का केन्द्रीय बिन्दु किसे माना गया है?

(v) फीचर– लेखन के उद्देश्य बताइए।

(vi) उल्टा पिरामिड शैली की विशेषता लिखिए।

प्र.4 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **6**

देश की उन्नति का बहुत बड़ा दायित्व सच्चे देश– भक्तों पर निर्भर करता है। देश का गौरव सच्चे देश– भक्त ही होते है। उसी देश का अभ्युत्थान हो सकता है, जहाँ के निवासियों में देश– प्रेम कूट– कूट कर भरा हो, जिनकी शिरा– शिरा, धमनी– धमनी में देश– प्रेम से सिक्त रक्त प्रवाहित हो रहा हो। जिस देश में ऐसे स्त्री– पुरुष का आधिक्य होता है, उसकी अवनति स्वप्न में भी नहीं हो सकती, जिस देश में जितने ही देश– भक्त सच्चे नागरिक होंगे, वह देश उतना ही समृद्धि के शिखर पर चढ सकता है। भारत की स्वतंत्रता के पीछे कौनसी शक्ति काम कर रही है? क्या अंग्रेजों ने प्रसन्न होकर स्वतंत्रता दान कर दी थी? कदापि नहीं वास्तव में इस स्वतंत्रता के पीछे भी बलिदान हो जाने वाले सहस्त्रों देश– भक्तों की शक्ति छिपी थी। उनके रक्त की लहरे परतंत्रता की चट्टान से बार– बार टकरा रही थी, जिससे वह एक दिन चूर– चूर हो गई।

(i) देश भक्तों की क्या विशेषता होती है?

(अ) देशभक्त स्वार्थी होते हैं। (ब) वे त्याग और बलिदान के लिए उद्यत नहीं होने हैं।

(स) सच्चे देशभक्त हमेशा त्याग और बलिदान हेतु तैयार रहते हैं। (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ii) देश की उन्नति किस पर निर्भर करती है?

(अ) सच्चे देशभक्तों पर (ब) सभी नागरिकों पर

(स) देश के निवासियों पर (द) हमारे दायित्वों पर

(iii) किस देश का अभ्युत्थान हो सकता है?

(अ) जहाँ के निवासियों में देश– प्रेम कूट– कूट कर भरा हो।

(ब) जिसकी शिरा और धमनियों में देश– प्रेम का रक्त प्रवाहित हो।

(स) देश के निवासियों में स्वदेश प्रेम भावना हो।

(द) उपर्युक्त सभी

(vi) किस देश की अवनति स्वप्न में भी नहीं हो सकती है?

(v) कोई देश कैसे समृद्धि के शिखर पर चढ़ सकता है?

(vi) गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक लिखिए।

प्र.5 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **6**

ओ हिमानी चोटियों के सजग प्रहरी
तंग सूनी घाटियों के सबल रक्षक,
तू न एकाकी समझना आपको,
देश तेरे साथ अन्तिम श्वास तक!

तू सिपाही सत्य का स्वातन्त्रय का है,
न्याय का और शांति का है तू सिपाही,
प्राण देकर प्राण के ओ प्रबल प्रहरी!
जा रहा तू देश हित बलि पंथ राही!

जा कि तेरे साथ है इस देश का बल
साथ तेरे देश की हर भावना है,
साथ धन जन, साथ तन मन
साथ, तेरी विजय की शुभ कामना है!

(i) 'हिमानी के सजग प्रहरी' किसके लिए कहा गया है?
(अ) सैनिकों के लिए (ब) देशभक्तों के लिए
(स) राजनेताओं के लिए (द) देश के युवाओं के लिए

(ii) सिपाही को किसका रक्षक बताया गया है?
(अ) मातृभूमि की सिमाओं का (ब) देश की स्वतंत्रता का
(स) न्याय की रक्षा का (द) उपर्युक्त सभी

(iii) प्रस्तुत काव्यांश का संदेश है।
(अ) सैनिकों के प्रति कृतज्ञता रखनी चाहिए। (ब) हमें देश की रक्षा करनी चाहिए।
(स) देशवासियों से प्रेम करना चाहिए। (द) मातृभुमि के लिए बलिदान करें।

(vi) 'जा कि तेरे साथ है' सिपाही के साथ कौन है?

(v) रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए।

(vi) इस काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खण्ड – ब

प्रश्न 6 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है। 10×2=20

प्र.6 दृष्टान्त अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए। 2

प्र.7 रघुवीर सहाय अथवा धनानंद का साहित्यक परिचय लिखिए। 2

प्र.8 ममता कालिया अथवा रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यक परिचय लिखिए। 2

प्र.9 भैरों ने सूरदास की झोपड़ी क्यों जलाई? 2

प्र.10 ऐसी कौन– सी स्मृति है जिसके साथ विश्वनाथ को मृत्यु का बोध अजीब तौर से जुडा मिलता है? 2

प्र.11 'पग पग नीर वाला मालवा सूखा हो गया'– कैसे अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता में पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

प्र.12 अराफात के आतिथ्य प्रेम से संबधित किन्हीं 2 घटनाओं का वर्णन कीजिए। 2

प्र.13 'बालक बच गया' लघु कथा का क्या संदेश है? 2

प्र.14 निराला ने पुत्री सरोज के विवाह को 'आमूल नवल' क्यों कहा है? 2

प्र.15 'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि, मदि रहए दु नयान।' काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 16 से 18 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 60 शब्द

प्र.16 'सूरदास की झोपडी' पाठ की वर्तमान समय में प्रासंगिता क्या है? अपने विचार लिखिए। 3

अथवा

'बिस्कोहर की माटी' पाठ ग्रामीण प्राकृतिक परिवेश का अद्‌भुत उदाहरण है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

प्र.17 संवदिया की क्या विशेषताएँ है वह बहुरिया का संवाद क्यों नहीं सुना सका? 3

अथवा

'साझा' कहानी किसानों की दुरावस्था को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए।

प्र.18 पिय सौ कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग।। काव्य पंक्तियों के माध्यम से नागमति अपने प्रियतम को क्या संदेश भेजना चाहती है?

अथवा

बच्चों की दुनिया व सोच सीमित होती है। 'दिशा' कविता के आधार पर स्पष्ट किजिए।

खण्ड – द

प्र.19 **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।** 5

स्वातन्त्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजडी यह रही है कि पश्चिम की देखादेखी और नकल में योजनाएँ बनाते समय– प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है– इस ओर हमारे पश्चिम– शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया। हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप निर्धारित कर सकते हैं, कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता।

अथवा

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका उपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं; इतिहास– विधाता की योजना के अनुसार। किसी को भी उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वहीं है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ– हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदानुर्वत करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडम्बर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है।

प्र.20 **निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।** 5

मैंने देखा
एक बूँद सहसा
उछली सागर के झाग से;
रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से।
मुझ को दीख गयाः
सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक– छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से!

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ।
बार– बार उर नैननी लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ।।
कबहूँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे।
"उठहु तात! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे"।।
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावौ गई निछावरि मैया" ।।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी।।

प्र.21 **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए।** 5

(अ) साइबर अपराध के बढ़ते कदम
(ब) समाज और नारी सशक्तिकरण
(स) मिलावट का रोग
(द) राष्ट्र निमार्ण में युवाओं की भूमिका